मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 113
मंगलवार, 03 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे जलाने की मिली अनुमतिः सुप्रीम कोर्ट ने तय किया समय; किन जगहों पर रहेगा प्रतिबंध?

नई दिल्ली, 02 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 7 और 8 नवंबर, 2026 को ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है।

पटाखे सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक फोड़े जा सकेंगे। यह अनुमति सुप्रीम कोर्ट के 15 अक्तूबर, 2025 के पहले के आदेश के अनुसार दी गई है। शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित शांत क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में कोई भी पटाखा नहीं फोड़ा जाएगा।

कोर्ट ने कहा है कि इन सभी क्षेत्रों के साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाएगा। इन क्षेत्रों को उचित तरीके से चिह्नित किया जाएगा और इनके बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वैध प्रमाणपत्र रखने वाले पटाखा और आतिशबाजी निमार्ता केवल ग्रीन पटाखों का ही निर्माण कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया है कि बेरियम वाले पटाखों और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनईईआरआई) से ग्रीन पटाखों के रूप में मंजूरी नहीं पाने वाले पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी। कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों से अवैध और पारंपरिक पटाखों की आपूर्ति रोकने के लिए कदम उठाने को कहा है। पटाखों से होने वाले नुकसान को समझने के लिए यह जानना जरूरी है



कि उन्हें जलाने पर क्या होता है। पटाखे जलाने से हवा में बड़ी मात्रा में कणीय पदार्थ (पीएम) निकलते हैं। इनमें पीएम 10 और पीएम 2.5 शामिल हैं।

ये हवा में मौजूद ठोस कणों और तरल बूंदों का मिश्रण होते हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि नाक और फेफड़ों में आसानी से पहुंच जाते हैं। फेफड़ों से ये खून में मिल जाते हैं। इसके बाद शरीर के दूसरे हिस्सों में भी पहुंच जाते हैं। यहां तक कि ये इंसानी दिमाग में भी पाए जाते हैं। ये शरीर की सभी झिल्लियों को पार कर सकते हैं।

कणीय पदार्थों में पीएम 2.5 सबसे ज्यादा खतरनाक होते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि अगर कोई व्यक्ति जमीन पर खड़ा होकर पीएम 2.5 का एक कण अपनी कमर की ऊंचाई से गिराए, तो उसे जमीन तक पहुंचने में एक महीने का समय लगेगा। ये कण हवा में लगातार बने रहते हैं। इसलिए आतिशबाजी भले ही दो या तीन दिन हो या कुछ घंटों तक चले, लेकिन इसके कण हवा में तीन महीने तक रह सकते हैं।

हवा में मौजूद छोटे कणों में पीएम 2.5 सबसे ज्यादा नुकसानदायक होते हैं। पटाखों में बेरियम लवण का भी इस्तेमाल होता है। इससे आतिशबाजी में चमकीली हरी लौ निकलती है। यह पाउडर को तेजी से जलने के लिए ऑक्सीजन भी देता है। लेकिन बेरियम जलने से जहरीले कण हवा में फैलते हैं। इससे फेफड़ों और दिल को नुकसान पहुंचता है।

बेरियम वाले पटाखों को निगलने से खून में पोटैशियम का स्तर तेजी से गिर सकता है। इस स्थिति को हाइपोकैलेमिया कहते हैं। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। दिल की धड़कन की लय बिगड़ सकती है और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। पटाखों में रंग और आवाज पैदा करने के लिए कई तरह के रसायनों और धातुओं का इस्तेमाल होता है। इनके जलने से जहरीली गैसों के अवशेष भी निकलते हैं।

कुशीनगर में वैन और ट्रेलर की जोरदार टक्कर, छह लोगों की मौत, किशोर गंभीर

कुशीनगर, 02 नवम्बर। कुशीनगर के हाटा कोतवाली क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। पेट्रोल पंप के पास वैन और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह दुर्घटना देर रात उस समय हुई जब सभी लोग तिलक समारोह से घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घायल किशोर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। विधिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलुही गांव के निवासी वैन में सवार थे। प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया प्रसाद (40) भी इनमें शामिल थे। उनके पिता रामबेलास (65) भी वैन में थे। राममिलन (35),



आयुष (12), मृदुल मिश्रा (37) और रंजय गुप्ता (35) भी साथ थे। मिथिलेश गुप्ता (22) भी इस समूह का हिस्सा थे। वैन में सवार इन सात लोगों में से छह की मौत हो गई। राममिलन का 17 वर्षीय पुत्र आर्यन गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी लोग देवराज पिपरा में एक रिश्तेदार के तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह से देर रात वे अपने गांव लौट रहे थे। हाटा कोतवाली क्षेत्र में पेट्रोल पंप के पास यह दुखद घटना हुई। सामने से आ रहे एक ट्रेलर से उनकी वैन टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही भलुही गांव से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाने और शवों को भेजने का काम किया गया। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अब फरार चालक की तलाश में जुटी है। विधिक कार्रवाई भी जारी है।

अग्निवीरों को पुलिस-पीएसी समेत अन्य विभागों में मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण: योगी

गोंडा, 02 नवम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार साल की सैन्य सेवा पूरी कर लौटने वाले अग्निवीरों को प्रदेश में पुलिस, पीएसी समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। उन्हें भर्ती के लिए परीक्षा नहीं देनी होगी, बल्कि सीधे नियुक्ति दी जाएगी। इससे अग्निवीरों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिलेगा।

सोमवार को छपिया के तेजपुर में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर भी सरकार की योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अखिलेश यादव से कहा था कि गिनती आती है तो गिन लें, अगले छह माह में एक लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। अब तक 12 से 15 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। करीब



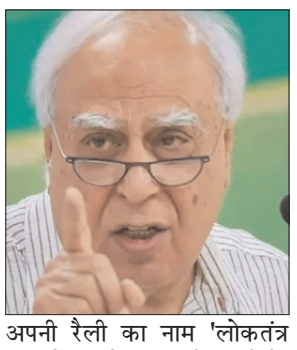
4,500 उपनिरीक्षकों, 45 हजार पुलिस कांस्टेबलों और 42 हजार होमगार्डों को नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षकों के साथ अन्य विभागों में भी भर्तियां की जाएंगी। पदक लाओ, हमसे पद पाओः मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार की नीति है- पदक लाओ, हमसे पद पाओ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से खिलाड़ियों को भी नियुक्तियां दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी और खेल अधिकारी जैसे पदों पर नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि सरकार ने रोजगार और आगे बढ़ने के लिए कई रास्ते खोले हैं। उन्होंने गोंडा के लोगों को बधाई देते हुए जय हिंद और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ संबोधन समाप्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोंडा में विश्वविद्यालय की स्थापना की राह में सबसे बड़ी बाधा नकल के ठेके चलाने वाले लोग थे। उन्हें डर था कि विश्वविद्यालय बनने से उनका कारोबार बंद हो जाएगा। इसी वजह से वे यहां विश्वविद्यालय नहीं चाहते थे। सरकार ने विश्वविद्यालय देकर नकल के इस धंधे पर रोक लगाने और युवाओं का भविष्य संवारने का रास्ता खोला है।

'लोकतंत्र नहीं, हमें बचाओ कहिए': कपिल सिब्बल ने भाजपा पर कसा तंज

नई दिल्ली, 02 नवम्बर। कांग्रेस और विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को लेकर सियासत तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने दावा किया है कि इस रैली में करीब पांच से छह लाख लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शांतिपूर्ण तरीके से जुटना दिखाता है कि देश के नागरिक सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। सिब्बल ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अब उसे अपनी रैलियों का नाम 'लोकतंत्र बचाओ' या 'देश बचाओ' रखने के बजाय 'हमें बचाओ' रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष की रैली में जुटी भीड़ से चिंतित है।

कपिल सिब्बल ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रामलीला मैदान में हुई रैली में उनके अनुमान के मुताबिक पांच से छह लाख लोग मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि कनॉट प्लेस और उससे जुड़ने वाली आसपास की सड़कों पर पूरी तरह जाम लगा हुआ था और कहीं भी खाली जगह दिखाई नहीं दे रही थी। सिब्बल के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना भाजपा के लिए चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की रैली में लोग शांतिपूर्वक शामिल हुए और हिंसा की कोई घटना नहीं हुई।

सिब्बल ने भाजपा की प्रस्तावित रैलियों को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि भाजपा भी अपनी 'लोकतंत्र बचाओ' रैलियां आयोजित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहतक पहुंचे तो वहां केवल 100 से 200 लोग मौजूद थे। इसी पर तंज कसते हुए सिब्बल ने कहा कि भाजपा को



अपनी रैली का नाम 'लोकतंत्र बचाओ' या 'देश बचाओ' रखने के बजाय 'हमें बचाओ' रखना चाहिए। उनके मुताबिक, विपक्ष की रैली में बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना बताता है कि नागरिक सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराना चाहते हैं। सिब्बल ने कहा कि भारत में लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से करेंगे। उन्होंने इसे देश की लोकतांत्रिक परंपरा से जोड़ते हुए कहा कि भारत का इतिहास शांतिपूर्ण आंदोलनों का रहा है।

सिब्बल ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वहां युवा शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे थे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि जब प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो हिंसा किसने भड़काई। सिब्बल ने सरकार से इस घटना की जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पत्थरों से भरा ट्रक लाया गया था और कुछ लोग बिना वर्दी के वहां मौजूद थे। उन्होंने सवाल किया कि ट्रक कौन लाया था और सादे कपड़ों में मौजूद वे लोग कौन थे। सिब्बल ने दावा किया कि सरकार को इन सवालों के जवाब पता हैं, लेकिन वह जांच नहीं कराएगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसकी राजनीति में हिंसा भड़काने, लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल के बाद युवाओं को ही जिम्मेदार ठहराने का तरीका अपनाया जाता है।

सिब्बल ने राहुल गांधी की ओर से लगाए गए वोट चोरी और मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बता चुके हैं कि कर्नाटक में व्यवस्थित तरीके से मतदाताओं के नाम हटाए गए और महाराष्ट्र में भी इसी तरह के मामले सामने आए। सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार सत्ता हासिल करने और उसे बनाए रखने के लिए हेरफेर पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि किसी नागरिक को उसके मतदान के मौलिक अधिकार से वंचित करना संविधान और देश की सुरक्षा के खिलाफ काम करने जैसा है। सिब्बल ने कहा कि राहुल गांधी ने रैली में जिस उद्देश्य की बात की है, उसे हासिल होने तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

कांग्रेस के पतन की वजह बनेगी महारैली: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई INDIA गठबंधन की महारैली पर निशाना साधा है। उन्होंने विपक्ष की इस रैली को 'मूर्खतापूर्ण और पहले से तय नाटक' बताया। नड्डा ने कहा कि यह रैली कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी और पार्टी के राजनीतिक पतन का कारण बनेगी। नड्डा ने आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन का मकसद लोकतंत्र को अराजकता और अव्यवस्था के हवाले करना है। उन्होंने 1984 के सिख-विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा।

जेपी नड्डा ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि रैली के जरिए दिल्ली में दंगे और अव्यवस्था फैलाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली में दंगे और



अराजकता फैलाने की साजिश के जरिये लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को हटाना, त्योहारों के मौसम में दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों को नुकसान पहुंचाना तथा देश की छवि खराब करना भी इस रैली के अन्य उद्देश्य हैं। नड्डा ने कहा कि रामलीला मैदान में हो रहा प्रदर्शन लोकतंत्र का सम्मान नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश है। जेपी नड्डा ने 1 नवंबर की तारीख का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373



विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने



-ललित गर्ग

लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है?

रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निमार्ता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा।

यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह केवल यह नहीं सुनना चाहता कि सरकार ने क्या गलत किया, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि विपक्ष उस स्थिति को सुधारने के लिए क्या करेगा। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के नाते उससे केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व और रचनात्मक विपक्ष की अपेक्षा भी की जाती है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को अपनी राजनीतिक ऊर्जा का उपयोग ऐसे मुद्दों पर करना चाहिए, जो समाज के व्यापक वर्गों को प्रभावित करते हैं। विपक्षी एकता तभी सार्थक होगी, जब वह साझा नकारात्मकता के बजाय साझा सकारात्मक एजेंडे पर आधारित होगी। विभिन्न दलों के बीच नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के प्रश्नों पर सहमति बनाना आवश्यक है।

वस्तुतः लोकतंत्र की प्राण-प्रतिष्ठा केवल चुनावों, रैलियों, नारों और राजनीतिक हुंकारों से नहीं होती। इसके लिए संस्थाओं की निष्पक्षता, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा, राजनीतिक दलों की जवाबदेही, विचारों की स्वतंत्रता और जनहित के प्रति संवेदनशील शासन व्यवस्था आवश्यक है। सत्तापक्ष को भी आलोचना सुनने और अपनी कमियों को सुधारने का साहस दिखाना चाहिए, जबकि विपक्ष को प्रमाणों के साथ सवाल उठाने और समाधान प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। लोकतंत्र किसी एक दल की बपौती नहीं, बल्कि समूचे राष्ट्र की साझी विरासत है। रामलीला मैदान की यह रैली विपक्ष के लिए केवल शक्ति प्रदर्शन का अवसर बनकर न रह जाए, बल्कि आत्ममंथन का कारण बने, यही समय की मांग है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष मोदी सरकार के विरुद्ध कितनी बार एकजुट हो सकता है, बल्कि यह है कि वह देश के भविष्य के लिए कितनी बार एक सार्थक और विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सत्ता का विरोध जरूरी हो सकता है, लेकिन उससे कहीं अधिक जरूरी है जनहित का समर्थन। लोकतंत्र को हुंकार से नहीं, विचार से; भीड़ से नहीं, विश्वास से और सत्ता की आलोचना से नहीं, जनकल्याण के ठोस संकल्प से मजबूती मिलती है। यही रामलीला मैदान की राजनीतिक गूंज से निकलने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश होना चाहिए।

दिल्ली की 'विपक्ष लीला': कितना पास, कितना फेल?



अशोक भाटिया

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्ष की 'इंडिया' गठबंधन की हालिया 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बहुत बड़े रणनीतिक ब्लंडर और विफलता के रूप में दर्ज की गई है। इस भव्य स्तर पर आयोजित की गई राजनीतिक रैली का मुख्य उद्देश्य 2027 के आगामी चुनावों के लिए विपक्ष की एकजुटता दिखाना, शक्ति प्रदर्शन करना और विभिन्न मुद्दों पर सरकार को चारों तरफ से घेरना था। लेकिन अगर जमीन पर इस पूरी कवायद का निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए, तो यह रैली अपनी बेहद कमजोर टाइमिंग, पूरी तरह से नकारात्मक नैरेटिव और आंतरिक विरोधाभासों के कारण जनता के बीच पूरी तरह नाकाम और प्रभावहीन साबित हुई। इस रैली की करारी विफलता ने न केवल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के राजनीतिक नेतृत्व और उनकी रणनीतिक समझ पर एक बार फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि 'इंडिया' गठबंधन के वैचारिक और रणनीतिक खोखलेपन को भी देश की जनता के सामने पूरी तरह से उजागर कर दिया है। एक सफल और प्रभावी राजनीतिक आयोजन हमेशा वही माना जाता है जो आम जनता की बुनियादी आकांक्षाओं, उनके सुख-दुख और उनकी रोजमर्रा की समस्याओं से सीधा जुड़ता है, लेकिन दुर्भाग्य से यह रैली केवल विपक्षी नेताओं की अपनी व्यक्तिगत कुंठाओं, राजनीतिक असुरक्षाओं और एकतरफा एजेंडे को जबरन थोपने का एक बंद मंच बनकर रह गई।

इस रैली की ऐतिहासिक नाकामी की सबसे पहली और सबसे बड़ी वजह इसकी बेहद गलत और संवेदनहीन टाइमिंग रही, जिसने दिल्ली की जनता को नाराज करने का काम किया। पूरा देश और विशेष रूप से उत्तर भारत इस समय दीपावली, भाईदूज, गोवर्धन पूजा और छठ पूजा जैसे साल के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण त्योहारों के सीजन में पूरी तरह से व्यस्त और मग्न है। दिल्ली जैसे विशाल महानगर में, जहां इन प्रमुख त्योहारों के दौरान व्यापारिक गतिविधियां अपने चरम पर होती हैं और लाखों लोग खरीदारी तथा उत्सव की तैयारियों के लिए सड़कों पर निकलते हैं, वहां विपक्षी नेताओं ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए रामलीला मैदान को चुना। इस अदूरदर्शी फैसले का सीधा नतीजा यह हुआ कि पूरी पुरानी दिल्ली, मध्य दिल्ली और उसके आसपास के सभी प्रमुख मार्गों पर घंटों लंबा भयंकर ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे आम जनता, दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और त्योहार की खरीदारी करने निकले परिवारों को भारी मानसिक ंल्लि शारीरिक असुविधा का सामना करना पड़ा। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी दिल्ली की प्रमुख व्यापारिक संस्थाओं ने इस आयोजन से पहले ही स्पष्ट रूप से चेतावनी दी थी कि त्योहारों के इस अति-महत्वपूर्ण सीजन में ऐसी बड़ी राजनीतिक रैली करने से दिल्ली के स्थानीय व्यापारियों को लगभग 10,000 करोड़ रुपये का भारी व्यापारिक नुकसान हो सकता है। जब कोई राजनीतिक गठबंधन आम जनता और छोटे-बड़े व्यापारियों के त्योहार की खुशियों, उनकी कमाई और उनकी रोजी-रोटी को दांव पर लगाकर अपनी राजनीति चमकाने की स्वार्थी कोशिश करता है, तो जनता के बीच उसका संदेश कभी भी सकारात्मक नहीं जा सकता। विपक्ष ने इस रैली के जरिए दिल्ली की जनता को राहत देने के बजाय केवल और केवल परेशानी दी, जिसने रैली के औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ही उसकी असफलता की पूरी पटकथा लिख दी थी।

रैली का दूसरा सबसे कमजोर और निराशाजनक पहलू कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मुख्य भाषण और उनका पूरी तरह से नकारात्मक नैरेटिव रहा। आधुनिक भारतीय राजनीति में देश का आम मतदाता हमेशा एक ऐसे परिपक्व नेता को पसंद करता है जो देश के

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

सामने विकास का एक सकारात्मक विजन, आर्थिक प्रगति का ठोस रोडमैप और भविष्य की कल्याणकारी नीतियां रखता है। लेकिन राहुल गांधी का पूरा संबोधन एक बार फिर पुरानी ढर्रे पर चलते हुए केवल व्यक्तिगत आक्षेपों, संवैधानिक संस्थाओं पर तीखे हमलों और गहरी राजनीतिक नकारात्मकता से भरा रहा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को रैली का सबसे मुख्य और केंद्रीय मुद्दा बना दिया और मतदाता सूची में संशोधन (रक्फ़) जैसे बेहद जटिल, तकनीकी और प्रशासनिक मुद्दों पर जनता को भड़काने तथा गुमराह करने की असफल कोशिश की। देश का आम मतदाता, जो इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच महंगाई, रोजगार के नए अवसरों, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और उच्च शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर विपक्ष से किसी ठोस समाधान या रचनात्मक सुझाव की उम्मीद कर रहा था, उसे चुनाव आयोग की आंतरिक प्रशासनिक प्रक्रियाओं से कोई सीधा सरोकार नहीं है। राहुल गांधी का यह दृष्टिकोण साफ तौर पर दिखाता है कि वे और उनकी पूरी पार्टी अभी भी धरातल की हकीकत, जनता की रोजमर्रा की प्राथमिकताओं और देश के मूड से पूरी तरह कटे हुए हैं। उनका नैरेटिव रचनात्मक होने के बजाय केवल विनाशकारी, व्यवस्था-विरोधी और सिर्फ विरोध के लिए विरोध करने वाला दिखाई दिया, जिसे वहां मौजूद बेहद कम संख्या में आई और थकी हुई भीड़ ने भी पूरी तरह से खारिज कर दिया।

इसके अलावा, 'इंडिया' गठबंधन की यह फ्लॉप रैली विपक्षी एकजुटता के उन तमाम खोखले दावों की भी पूरी तरह पोल खोलती नजर आई जो अक्सर मीडिया में किए जाते हैं। मंच पर भले ही कुछ क्षेत्रीय क्षत्रप और विभिन्न विपक्षी पार्टियों के बड़े नेता कैमरों के सामने एक साथ खड़े दिखाई दे रहे थे, लेकिन उनकी शारीरिक भाषा, उनके आपसी व्यवहार और उनके भाषणों में वह गर्मजोशी, वैचारिक स्पष्टता और रणनीतिक तालमेल बिल्कुल गायब था जो एक मजबूत और टिकाऊ गठबंधन में होना अनिवार्य है। इस पूरी रैली पर शुरू से अंत तक केवल और केवल कांग्रेस पार्टी का आधिपत्य और वर्चस्व दिखाई दे रहा था, जिसने अन्य क्षेत्रीय दलों के नेताओं को एक तरह से हाशिए पर धकेल दिया था। पश्चिम बंगाल से लेकर पंजाब और केरल तक, जहां इन सहयोगी दलों के बीच जमीन पर तीखे राजनीतिक मतभेद, वैचारिक टकराव और हिंसक चुनावी लड़ाइयां चल रही हैं, वहां दिल्ली के मंच पर आकर केवल फोटो खिंचवानी की यह अवसरवादी राजनीति देश की समझदार जनता के गले बिल्कुल नहीं उतरी। मतदाता यह अच्छी तरह समझता है कि जो दल राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ राजनीतिक जंग लड़ रहे हैं, वे राष्ट्रीय स्तर पर केवल सत्ता के लालच में और एक मजबूत सरकार को हटाने के एकमात्र नकारात्मक उद्देश्य से एक साथ आने का ढोंग कर रहे हैं। इस गहरे आंतरिक विरोधाभास, आपसी अविश्वास और वैचारिक शून्यता के कारण गठबंधन की यह रैली एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम या भविष्य का कोई संयुक्त विजन पेश करने में पूरी तरह नाकाम रही, जिससे जनता में यह संदेश गया कि यह गठबंधन अस्थिर और दिशाहीन है।

विपक्ष की इस रणनीतिक नाकामी और जनता के बीच बढ़ती नाराजगी को समय रहते भांपते हुए भारतीय जनता पार्टी ने भी बेहद आक्रामक, संगठित और रणनीतिक काउंटर-अटैक किया। भाजपा ने विपक्ष की इस रैली के समानांतर दिल्ली के विभिन्न कोनों और प्रमुख रिहायशी इलाकों में व्यापक पदयात्राएं, नुक्कड़ सभाएं और सघन जनसंपर्क अभियान चलाए। भाजपा के नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं ने जनता के बीच जाकर यह संदेश बेहद प्रभावी और आक्रामक ढंग से पहुंचाया कि जहां एक तरफ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार त्योहारों के इस पावन समय पर देश की अर्थव्यवस्था को गति देने, बाजारों में रौनक बढ़ाने और जनता को हर संभव सुविधाएं देने में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष दिल्ली को ठप करने, सड़कों पर अराजकता फैलाने और व्यापारियों का भारी आर्थिक नुकसान करने की साजिश रच रहा है। भाजपा के इस चौरफा आक्रामक प्रचार ने विपक्ष के सभी गुमराह करने वाले दावों की हवा निकाल दी और दिल्ली की जनता का झुकाव पूरी तरह से सरकार के सकारात्मक, राष्ट्रहितैषी और विकासात्मक कार्यों की तरफ बनाए रखा, जिससे विपक्षी रैली पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गई।

अंततः, दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित की गई यह पूरी 'विपक्ष लीला' राजनीतिक रूप से एक पूरी तरह से फेल और बेअसर शो साबित हुई है। यह खर्चीली आयोजन न तो देश की जनता के मन में विपक्ष के प्रति कोई नया भरोसा जगा सका और ना ही वर्तमान सरकार के खिलाफ कोई मजबूत या प्रभावी माहौल तैयार कर पाया। राहुल गांधी और उनके गठबंधन के तमाम सहयोगियों को अब यह गंभीरता से समझना होगा कि केवल बड़ी-बड़ी रैलियां करने, संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद सवाल उठाने, विदेशी मंचों या रैलियों में देश की छवि खराब करने और त्योहारों के सीजन में आम जनता को परेशान करने से चुनाव नहीं जीते जा सकते और न ही जनता का दिल जीता जा सकता है। लोकतंत्र में वास्तविक सफलता पाने के लिए जनता के सुख-?ख में जमीन पर उतरकर भागीदार बनना पड़ता है, उनके वास्तविक मुद्दों के लिए संघर्ष करना पड़ता है और देश के समग्र विकास के लिए एक स्पष्ट, व्यवहारिक और सकारात्मक नीति देश के सामने रखनी होती है। जब तक विपक्ष अपनी इस नकारात्मक, हठधर्मिता और जिद की राजनीति को पूरी तरह छोड़कर जमीन पर रचनात्मक और सकारात्मक काम नहीं करेगा, तब तक उसकी ऐसी हर राजनीतिक कोशिश ऐतिहासिक रूप से नाकाम ही साबित होती रहेगी और देश की जागरूक जनता उसे बार-बार इसी तरह सिरे से नकारती रहेगी। विपक्ष को यह समझना होगा कि जनता अब केवल विरोध की राजनीति से ऊब चुकी है और वह विकास, स्थिरता और एक मजबूत नेतृत्व के साथ खड़ी है, जो विपक्ष इस रैली के जरिए देने में पूरी तरह से असमर्थ रहा।

राहुल गांधी के रामलीला मैदान में भाषाई तेवर पर सवाल और बवाल

- राकेश दुबे

नरेंद्र मोदी सरकार के विरोध में, नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की महारैली का मुद्दा था वोट चोरी, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और संविधान की कथित हत्या। रैली में निशाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार थी। लेकिन रैली खत्म होते-होते राजनीतिक बहस का केंद्र बदल गया। केंद्र में है राहुल गांधी की भाषा। अब सवाल चुनाव आयोग से ज्यादा राहुल गांधी की भाषा पर उठने लगे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कहा, "अमित शाह जी कहते हैं कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाने वाले। मैं कहता हूं कि नरेंद्र मोदी जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के बारे में चेतावनी दी कि ज्ञानेश कुमार भी जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होगी। राहुल के इस बयान को किसी ने राजनीतिक चुनौती माना तो किसी ने प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति अनुचित भाषा करार दिया। भारतीय जनता पार्टी ने इसे कांग्रेस के राजनीतिक संस्कारों और नेतृत्व की मानसिकता से जोड़ दिया।

बीजेपी ने राहुल गांधी के बयान को हाथों हाथ लपक लिया। पार्टी का तर्क है कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह



की भाषा लोकतांत्रिक असहमति नहीं, बल्कि राजनीतिक अहंकार का प्रदर्शन है। संबित पात्रा ने राहुल पर निशाना साधते हुए उनके बयान को शहजादों की भाषा बताया। बीजेपी के लिए यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह लंबे समय से राहुल गांधी की राजनीतिक शैली को अपरिपक्व नेतृत्व के रूप में पेश करती रही है। अब उसे नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद की गरिमा को लेकर कांग्रेस को घेरने का अवसर मिल गया है। पात्रा ने राहुल पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी भाषा मुगल बादशाह के शहजादों जैसी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हिंदुस्तान किसी के अब्बाजान की जागीर नहीं, बल्कि हिंदुस्तानियों का है। यानी रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाने के नाम पर जुटे विपक्ष के मंच से निकले शब्दों ने एक नई राजनीतिक लड़ाई को जन्म दे दिया। वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार प्रदीप सिंह के नजरिये से देखें तो राहुल गांधी को भाषा की गरिमा रखनी चाहिए। विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के नाते उनकी भाषा को संयमित होना चाहिए। प्रदीप सिंह इस विवाद में राहुल गांधी के अहंकार को देखते हैं। जबकि राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार मानते हैं कि यह भारतीय राजनीति के बदलते चरित्र की झलक है। परिहार कहते हैं कि राजनीतिक संवाद में आक्रामकता अब नई बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में व्यक्तिगत टिप्पणियों और तीखे राजनीतिक कटाक्षों ने संस्थागत बहस को कई बार पीछे धकेल दिया है। रामलीला मैदान में राहुल गांधी के भाषण की भाषा ने भी यही किया है। वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोनवलकर मानते हैं कि राहुल गांधी की हिंदी में लगातार सुधार हो रहा है, फिर भी उनकी सामान्य बोलचाल की भाषा मूल रूप से हिंदी नहीं है, वे अंग्रेजी में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। सोनवलकर कहते हैं कि इसी कारण राहुल गांधी के किसी के बारे में बोलने के शब्दों में से पद के मान-सम्मान का भेद हो जाता है।

राजनीतिक विश्लेषकों के नजरिये से राहुल गांधी की भाषा की आक्रामकता में, तीन महत्वपूर्ण पहलू सामने आते हैं। कांग्रेस की राजनीति को गहराई से जानने वाले वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोनवलकर मानते हैं कि राहुल गांधी की राजनीति अब केवल सरकार की आलोचना तक सीमित नहीं रहना चाहती। वे प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को सीधे राजनीतिक चुनौती देकर विपक्षी कार्यकताओं में संघर्ष का संदेश देना चाहते हैं। देश के जाने माने राजनीतिक टिप्पणीकार प्रदीप सिंह कहते हैं कि राहुल की यही कमजोरी, बीजेपी के लिए हर बार हथियार बनती है। उनके इस तरह के बयानों को राजनीतिक हथियार बनाकर कांग्रेस के नेतृत्व की विश्वसनीयता और गंभीरता पर सवाल उठाने की रणनीति अपना रही है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि इस पूरे विवाद में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या राजनीतिक भाषा की मयार्दा केवल विपक्ष की जिम्मेदारी है? क्या सत्तापक्ष के नेताओं की भाषा और सार्वजनिक टिप्पणियों को भी इसी कसौटी पर नहीं परखा जाना चाहिए? लोकतंत्र में मयार्दा की अपेक्षा सभी राजनीतिक दलों से समान रूप से होनी चाहिए।

भारत की संसदीय राजनीति में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। प्रधानमंत्री सरकार का नेतृत्व करता है तो नेता प्रतिपक्ष सरकार से जवाब मांगने और उसकी नीतियों की समीक्षा करने की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाता है। दोनों पदों के बीच वैचारिक संघर्ष लोकतंत्र की खूबसूरती है, लेकिन इस संघर्ष में भाषा की मयार्दा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी आज केवल कांग्रेस के नेता नहीं हैं। वे लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। यह देश का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है। ऐसे में उनसे अपेक्षा स्वाभाविक है कि उनकी राजनीतिक भाषा में आक्रामकता के साथ गंभीरता भी दिखाई दे। हालांकि, इस पूरे विवाद को समझने के लिए राहुल के बयान का संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। उनका दावा था कि कथित चुनावी अनियमितताओं के लिए प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और चुनाव आयुक्त को कानूनी जवाबदेही का सामना करना पड़ेगा। उनके अनुसार, कोई भी व्यक्ति संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। राहुल गांधी के सामने असली चुनौती यही है कि वे अपनी राजनीतिक आक्रामकता को मुद्दों की गंभीरता के साथ कैसे जोड़ते हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियां और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही जैसे विषय निश्चित रूप से गंभीर हैं। इन पर विपक्ष को सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। लेकिन जब बहस का केंद्र मुद्दों से हटकर नेता की भाषा बन जाता है तो राजनीतिक विमर्श का नुकसान होता है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का विरोध करना और प्रधानमंत्री पद की गरिमा का सम्मान करना परस्पर विरोधी बातें नहीं हैं।। लेकिन शब्दों की मयार्दा और संस्थाओं का सम्मान बना रहना चाहिए। रामलीला मैदान की रैली ने विपक्ष की एकजुटता का संदेश देने की कोशिश जरूर की, लेकिन राहुल गांधी की भाषा ने एक अलग बहस छेड़ दी है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि नरेंद्र मोदी कहीं जाएंगे या नहीं, बल्कि यह है कि भारतीय राजनीति की भाषा आखिर किस दिशा में जा रही है? क्योंकि लोकतंत्र में विरोध की आवाज जितनी बुलंद होनी चाहिए, उसकी भाषा भी उतनी ही जिम्मेदार होनी चाहिए।

तथाकथित लोकतांत्रिक प्रदर्शन बनाम आर्थिक नुकसान, कैसे होगी भरपाई



संजीव ठाकुर

लोकतंत्र का अर्थ केवल अपनी बात मनवाना नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी है। सत्ता की कुर्सी स्थायी नहीं होती, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था और जनता की मेहनत से निर्मित संपत्ति पूरे राष्ट्र की धरोहर है। इसलिए अब समय आ गया है कि हर राजनीतिक प्रदर्शन के साथ आर्थिक जवाबदेही भी तय हो। क्योंकि देशहित से बड़ा न कोई दल है, न कोई नेता और न ही कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा।

लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन है। इस व्यवस्था में अपनी बात मनवाने, असहमति जताने और सरकार की नीतियों का विरोध करने का अधिकार हर नागरिक और राजनीतिक दल को संविधान ने दिया है। अनुच्छेद-19 के तहत मिला शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमारे लोकतंत्र की प्राण वायु है। किंतु, जब यही लोकतांत्रिक प्रदर्शन अनियंत्रित होकर चक्काजाम, तोड़फोड़, आगजनी और अनिश्चितकालीन अवरोधों में बदल जाते हैं, तब वे जनहित के बजाय 'राष्ट्रीय क्षति' का पर्याय बन जाते हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि इसमें प्रत्येक नागरिक, राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और विचारधारा को अपनी बात रखने, असहमति व्यक्त करने तथा सत्ता के सामने सवाल उठाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। सत्ता पक्ष हो अथवा विपक्ष, दोनों को अपनी राजनीतिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता है। धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस और शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्वाभाविक अंग हैं। लेकिन जब यही लोकतांत्रिक अधिकार शक्ति प्रदर्शन, रास्ता रोकने, बाजार बंद कराने, सरकारी कामकाज बाधित करने और सार्वजनिक जीवन को अस्त-व्यस्त करने का माध्यम बन जाता है, तब एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर इस कथित लोकतांत्रिक गतिविधि की आर्थिक कीमत कौन चुकाएगा?

आज सवाल यह नहीं है कि विरोध करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि इस तथाकथित लोकतांत्रिक प्रदर्शन के नाम पर देश को जो भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, उसकी भरपाई कौन और कैसे करेगा?

जब राजधानी या देश के किसी भी बड़े हिस्से में राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए सड़कों को महीनों या हफ्तों के लिए बंधक बना लिया जाता है, तब केवल प्रशासनिक व्यवस्था ही ध्वस्त नहीं होती, बल्कि देश की धड़कन यानी अर्थव्यवस्था भी लड़खड़ा जाती है .व्यापार और खुदरा बाजार का संकटः त्यौहारों या पीक सीजन के दौरान होने वाले प्रदर्शन बाजारों की कमर तोड़ देते हैं। सरोजनी नगर, कनॉट प्

बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2026 हर्षोल्लास के साथ संपन्न



मुंबई (उत्तरशक्ति)। बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2026 में डिजाइनर रियाज और रेशमा गांगजी के फैशन ब्रांड लिबास के 30 साल पूरे होने का जश्न खास अंदाज में मनाया गया। इस अवसर पर अभिनेता सोहेल खान और अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका ने शोस्टॉपर के रूप में रैंप वॉक किया। अमन इंद्र कुमार ने भी रैंप पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। हालांकि, शाम का सबसे यादगार पल तब आया जब सोहेल खान ने रैंप वॉक के दौरान डांस करना शुरू कर दिया। उनके डांस मूव्स और मस्ती ने पूरे ऑडिटोरियम का माहौल उत्साह से भर दिया।

अपने अनुभव के बारे में सोहेल खान ने कहा, रैंप पर वॉक के साथ डांस और मस्ती—यही इस शो की खासियत थी। फैशन शो तो बहुत होते हैं, लेकिन रैंप वॉक के साथ इतना मजा और मस्ती करना कुछ नया और अलग था। मैंने करीब 15-20 साल पहले फैशन शो किया था। जब रियाज भाई ने मुझसे इस शो के लिए कहा, तो हां कहने में मैंने थोड़ा समय लिया। फिर मुझे लगा कि मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर यह करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, रियाज ने मुझे जैकेट पहनने के लिए बहुत प्रोत्साहित किया, जबकि मैंने अपनी शादी में भी सूट नहीं पहना था। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की हुई कि दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान थी। रैंप पर एक अलग स्वैग और कॉन्फिडेंस था और जब डांस शुरू हुआ, तो लगा कि सभी बहुत खुश हैं। आज के माहौल में, जब चारों ओर इतनी सारी बातें हो रही हैं, लोगों के चेहरों पर हंसी और खुशी देखकर बहुत अच्छा लगा।

प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने के लिए भिवंडी मनपा ने किया बैठक



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। इस वर्ष 6 से 11 नवंबर तक मनाए जाने वाले दीपावली पर्व को देखते हुए भिवंडी मनपा प्रशासन ने नागरिकों से पर्यावरण अनुकूल एवं प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने की अपील की है। वायु प्रदूषण में बढ़ोतरी और उच्च न्यायालय द्वारा इस संबंध में स्वतः संज्ञान लेने के मद्देनजर अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे की अध्यक्षता में मनपा अधिकारियों, पुलिस विभाग और पटाखा विक्रेताओं की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में पटाखों की बिक्री के लिए निर्धारित स्थानों और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई। अतिरिक्त आयुक्त ने निर्देश दिया कि पटाखों की दुकानें लगाने से पहले लाइसेंस, अग्निशमन विभाग और पुलिस विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य होगा। प्रत्येक दुकान के बाहर अग्निशमन उपकरण उपलब्ध रखने के भी निर्देश दिए गए। उच्च न्यायालय के 15 अक्टूबर 2026 के आदेशों का पालन करने की हिदायत देते हुए शांतिक्षेत्रों में पटाखे नहीं फोड़ने की अपील की गई। साथ ही नागरिकों से कम आवाज और कम धुआं उत्पन्न करने वाले पटाखों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया गया। स्कूलों और कॉलेजों में जनजागृति अभियान चलाकर विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उपायुक्त (लाइसेंस) बालकृष्ण क्षीरसागर, लाइसेंस विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, पुलिस विभाग के अधिकारी, मनपा अधिकारी और पटाखा विक्रेता उपस्थित थे।

एसोचैम द्वारा 'विकसित विदर्भ शिखर सम्मेलन 2026' का आयोजन

मुंबई। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (एसोचैम) द्वारा नागपुर में आयोजित विकसित विदर्भ शिखर सम्मेलन 2026 में विदर्भ की आर्थिक क्षमता को तराशने और महाराष्ट्र की विकास यात्रा में इसके योगदान पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस शिखर सम्मेलन में भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र में संस्थागत उपस्थिति को मजबूत करने के लिए एसोचैम विदर्भ चैप्टर का औपचारिक गठन किया गया, जिसका नेतृत्व श्री माधव लभे (अध्यक्ष) और श्री मोहन पांडे (सह-अध्यक्ष) करेंगे। यह नया चैप्टर विदर्भ में निवेश प्रोत्साहन, औद्योगीकरण और नीतिगत समन्वय को गति देने का कार्य करेगा। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने विदर्भ के चौतरफा विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने गडचिरोली में उपलब्ध 65-ग्रेड के उच्च स्तरीय लौह अयस्क और समृद्ध कोयला संसाधनों का उल्लेख करते हुए विदर्भ में एक मजबूत स्थानीय इस्पात विनिर्माण व भारी उद्योग इकोसिस्टम विकसित करने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, विदर्भ के केवल 20% सिंचाई कवरेज पर चिंता जताते हुए उन्होंने जल सुरक्षा, भूजल पुनर्भरण और जलग्रहण क्षेत्र विकास के साथ-साथ खेती में एआई, ड्रोन तकनीक और सटीक कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के संदर्भ में श्री गडकरी ने संतरा, कपास, तूर, चना और चावल जैसी प्रमुख फसलों का प्राथमिक विक्रय करने के बजाय स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर जोर दिया। उन्होंने भंडारा-गोंदिया में राइस ब्रान ऑयल, डेयरी उत्पाद (पनीर, आइसक्रीम, मिल्क पाउडर), मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर, सौर ऊर्जा तथा 'फार्म टू फ्यूल' और 'वेस्ट टू वेल्थ' जैसी चक्रीय अर्थव्यवस्था की पहलों के माध्यम से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान एसोचैम महाराष्ट्र राज्य परिषद के अध्यक्ष श्री मिलिंद हार्डिकर ने कहा कि महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के साथ विदर्भ एक प्रमुख आर्थिक इंजन साबित होगा। एसोचैम के महासचिव कर्नल सौरभ सान्याल ने स्पष्ट किया कि विदर्भ का विकास मॉडल 'विकसित भारत @2047' के राष्ट्रीय लक्ष्यों के पूरी तरह अनुरूप है और इसके लिए सरकार, उद्योग तथा स्थानीय हितधारकों के बीच निरंतर सहयोग आवश्यक है।

मीरा-भायंदर में भाजपा और शिवसेना महिला अघाड़ी के बीच टकराव, नवघर पुलिस स्टेशन के बाहर शिवसैनिकों का धरना

◆शिवसेना महिला पदाधिकारियों ने पुलिस पर लगाया बल प्रयोग और पक्षपात का आरोप; मंत्री प्रताप सरनाईक के समर्थन में भाजपा के आंदोलन का किया विरोध



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच भाजपा और शिवसेना महिला अघाड़ी के बीच विवाद गहरा गया है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक को लेकर भाजपा पदाधिकारियों द्वारा किए गए आंदोलन के विरोध में शिवसेना महिला अघाड़ी की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान नवघर पुलिस द्वारा महिला पदाधिकारियों को हिरासत में लिए जाने का आरोप लगाते हुए शिवसैनिकों ने नवघर पुलिस स्टेशन के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। शिवसेना महिला अघाड़ी ने भाजपा के आंदोलन को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के नेता अपनी कथित विफलताओं और भ्रष्टाचार के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए मंत्री प्रताप सरनाईक को निशाना बना रहे हैं। शिवसेना ने कहा कि सरनाईक आम लोगों के हितों के लिए लगातार काम कर रहे हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों का राजनीतिक जवाब दिया जाएगा। महिला पदाधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप शिवसेना महिला अघाड़ी का आरोप है कि उसकी कार्यकर्ता शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रही थीं, लेकिन नवघर पुलिस ने उनके साथ बल प्रयोग किया। महिला पदाधिकारियों को धक्का देने, मारपीट करने और पुलिस वैन में बैठाकर हिरासत में लेने का आरोप भी लगाया गया है। शिवसेना ने पुलिस की कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए इसकी निंदा की और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। इस कार्रवाई के विरोध में शिवसेना जिला आयोजक निशा नरवेकर सहित अन्य महिला पदाधिकारी और शिवसैनिक नवघर पुलिस स्टेशन के बाहर एकत्र हुए। उन्होंने पुलिस प्रशासन के कथित पक्षपातपूर्ण रवैये के खिलाफ धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया। निशा नरवेकर ने भाजपा पर साधा निशाना शिवसेना जिला आयोजक निशा नरवेकर ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मीरा-भायंदर में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे भाजपा नेताओं को दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपनी भूमिका पर विचार करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोध की आवाज दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। नरवेकर ने कहा कि शिवसेना बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे के विचारों से प्रेरित संगठन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार और हिरासत की कार्रवाई के खिलाफ पार्टी अपना विरोध जारी रखेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि शिवसेना लोकतांत्रिक तरीके से इस मामले को उठाएगी और कथित भ्रष्टाचार के मुद्दों पर भी आवाज बुलंद करेगी। पुलिस की भूमिका पर उठाए सवाल शिवसेना महिला अघाड़ी ने सवाल उठाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही महिला कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस का व्यवहार उचित था या नहीं। संगठन ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

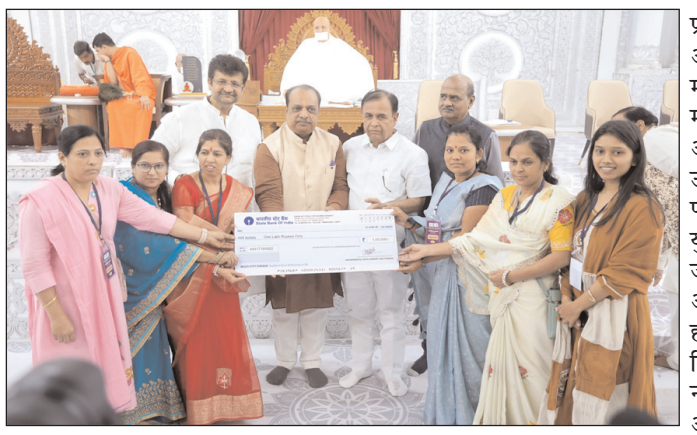
गिनी सिल्क मिल में लगी भीषण आग, ढाई घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर - तारापुर औद्योगिक क्षेत्र की गिनी सिल्क मिल में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग कंपनी के कंप्यूटर विभाग और स्टोर रूम तक फैल गई, जिससे वहां रखी कुछ सामग्री जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि दमकल विभाग की तत्परता और करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तारापुर एमआईडीसी के प्लॉट नंबर 15 में स्थित गिनी सिल्क मिल में रविवार सुबह करीब 7:30 बजे आग लगने की घटना सामने आई। इसकी सूचना मिलते ही सुबह 7:40 बजे दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत करते हुए सुबह करीब 10 बजे तक आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय, पालघर के सहसंचालक माधव तोटेवाड ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कंप्यूटर विभाग में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के समय कारखाने में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिसके चलते किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फिलहाल प्रशासन की ओर से आग लगने के वास्तविक कारणों और कंपनी में हुए आर्थिक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

घाटकोपर में जैन अल्पसंख्यक विकास आर्थिक महामंडल की ओर से 511 लाभार्थियों को 51 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण



मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के जैन अल्पसंख्यक विकास आर्थिक महामंडल की ओर से ऋण वितरण समारोह घाटकोपर (पूर्व) स्थित आराध्य भक्ति पार्क, पुलिस हॉकी मैदान में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

इस समारोह में राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज की विशेष उपस्थिति एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। साथ ही सेवाभावी विधायक पराग शाह , राज्य के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं आशिष शेलार की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर महामंडल के माध्यम से कुल 51 करोड़ रुपये के ऋण 511 लाभार्थियों को वितरित किए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जैन समाज के पात्र लाभार्थियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं व्यवसाय के माध्यम से आगे बढ़ने के नए अवसर उपलब्ध कराना है।कार्यक्रम में महामंडल के उपाध्यक्ष मितेश नाहटा, सदस्य अरविंद शाह, अल्पसंख्यक आयुक्तालय की आयुक्त श्रीमती प्रतिभा इंगले, राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त अध्यक्ष ललित गांधी, सदस्य रावसाहेब पाटील एवं सुनील पाटणी, प्रबंध निदेशक राजकुमार अलकुटे, AIJMF के राष्ट्रीय महामंत्री संदीप भंडारी, डॉ. माधवी खोडे-चवरे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण पहल के माध्यम से समाज के युवाओं, उद्यमियों एवं जरूरतमंद लाभार्थियों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही उनके व्यवसाय को विस्तार देने, स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के सपनों को नई उड़ान मिलेगी। यह पहल जैन समाज के आर्थिक सशक्तिकरण एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा उदय प्रकाश मिश्र और जनार्दन दुबे को किया गया सम्मानित



पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित विशेष सम्मेलन के अवसर पर समाज सेवा तथा समाज के गौरव और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले उदय प्रकाश मिश्र एवं जनार्दन दुबे को विप्र फाउंडेशन बोईसर की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विप्र समाज के बंधुओं ने दोनों गणमान्य व्यक्तियों का शाल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं सम्मान चिन्ह प्रदान कर हृदयपूर्वक अभिनंदन किया। उनके सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज के प्रति समर्पण भाव से किये गये सेवा कार्य दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। ऐसे व्यक्तित्वों का सम्मान समाज में सेवा, सहयोग और एकजुटता की भावना को और मजबूत करता है। सम्मान समारोह के दौरान विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पांडेय सहित फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित विप्र बंधुओं ने दोनों सम्मानित व्यक्तियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की।

संघर्ष पत्रकार संस्था की भिवंडी तालुका कार्यकारिणी घोषित

अध्यक्ष अफसर खान और सचिव दीपक हिरे नियुक्त



आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे जिला संघर्ष पत्रकार संस्था की भिवंडी तालुका कार्यकारिणी की घोषणा गुरुवार, 30 अक्टूबर को महापोली में आयोजित बैठक में की गई। इसमें अफसर खान को तालुका अध्यक्ष और दीपक हिरे को सचिव चुना गया।

वहीं, विजय गायकवाड को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। संस्था के जिलाध्यक्ष योगेश हजारे की अध्यक्षता तथा वरिष्ठ पत्रकार कुसुमताई देशमुख के मार्गदर्शन में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पत्रकारों ने अभिनंदन कर शुभकामनाएं दीं। बैठक में राजेंद्र काबाडी, शिवाजी राऊत, भगवान विश्वकर्मा, राजू पाल, विनोद पाटिल, राजेश दलवी सहित अनेक पत्रकार उपस्थित थे। संस्था इससे पूर्व शहापुर और मुरबाड तालुकों में अपनी कार्यकारिणी गठित कर चुकी है। भिवंडी में नई कार्यकारिणी के गठन से संगठन को मजबूती मिलेगी। संस्था पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा, पत्रकार संरक्षण कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, पत्रकारों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने तथा फर्जी पत्रकारों के मुद्दे पर काम कर रही है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पत्रकारों को एकजुट कर उनके न्यायोचित अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प व्यक्त किया।

आधुनिक तकनीक से होगी ड्राइविंग टेस्टिंग, सड़क सुरक्षा और चालक प्रशिक्षण को मजबूती

◆परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पुणे के दिवे में प्रस्तावित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक और रोड सेफ्टी इंस्टीट्यूट का किया निरीक्षण, जल्द सुविधाएं शुरू करने के निर्देश



पुणे (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज पुणे जिले की पुरंदर तहसील के मौजे दिवे में पुणे प्रादेशिक परिवहन विभाग (RTO) के प्रस्तावित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक (ADTT) और नियोजित रोड सेफ्टी इंस्टीट्यूट के स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित परिवहन अधिकारियों से परियोजना के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली और इन सुविधाओं को जल्द से जल्द आम जनता के लिए उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। प्रस्तावित ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक के शुरू होने से वाहन चालकों को ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आधुनिक, कंप्यूटर और सेंसर आधारित परीक्षण केंद्र की सुविधा मिलेगी। इस तकनीक के माध्यम से वाहन चालकों की ड्राइविंग क्षमता का परीक्षण अधिक व्यवस्थित और तकनीकी रूप से किया जा सकेगा। इससे ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इसी परिसर में प्रस्तावित रोड सेफ्टी इंस्टीट्यूट के माध्यम से सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक इंजीनियरिंग और चालक प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी आधुनिक तकनीक के जरिए दी जाएगी। इसका उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग और सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार के प्रति जागरूक करना है। निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने परियोजना से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन सुविधाओं को जल्द उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाई जाए। उन्होंने परिवहन विभाग की सेवाओं को अधिक आधुनिक, सुलभ और प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि राज्य की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

आम नागरिकों का सफर अधिक सुरक्षित हो और परिवहन विभाग की सेवाएं उन्हें सरलता एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध हों, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इन प्रस्तावित सुविधाओं के शुरू होने से ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण व्यवस्था को आधुनिक बनाने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा और चालक प्रशिक्षण को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

दिव्यांग विशेष स्कूलों को पांच साल बाद मिला लंबित अनुदान

◆1.47 करोड़ रुपये की राशि मंजूर होने से संस्थाओं को बड़ी राहत

◆489 दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा और पुनर्वास को मिलेगा बढ़ावा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत अनुदानित विशेष स्कूलों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। पिछले पांच वर्षों से लंबित पोषण एवं वेतनेतर अनुदान आखिरकार शासन की ओर से उपलब्ध करा दिया गया है। दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग की ओर से कुल 1 करोड़ 47 लाख 72 हजार 21 रुपये का अनुदान प्राप्त होने से आर्थिक संकट का सामना कर रही जिले की विशेष शैक्षणिक संस्थाओं को बड़ी राहत मिली है।

इस लंबित अनुदान को प्राप्त करने के लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा जिला दिव्यांग सशक्तीकरण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने लगातार प्रयास और शासन स्तर पर प्रभावी पैरवी की। उनके निरंतर प्रयासों के चलते पांच वर्षों से अटका अनुदान का मामला आखिरकार सुलझ गया। शासन के इस निर्णय का दिव्यांगों के क्षेत्र में कार्यरत अनुदानित संस्थाओं ने स्वागत करते हुए संतोष व्यक्त किया है।पालघर जिले में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कुल सात अनुदानित विशेष स्कूल एवं कार्यशालाएं संचालित हैं। इनमें मूक-बधिर वर्ग के चार स्कूल, बौद्धिक दिव्यांगता वर्ग के दो स्कूल तथा इसी वर्ग की एक कार्यशाला शामिल है। इन सभी संस्थाओं में वर्तमान में कुल 489 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन विशेष संस्थाओं में विद्यार्थियों को नियमित शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न प्रकार का व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास सेवाएं, दैनिक जीवन में उपयोगी कौशल तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

हालांकि पिछले पांच वर्षों से शासन की ओर से पोषण एवं वेतनेतर अनुदान लंबित रहने के कारण इन संस्थाओं को कई आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। स्कूलों के दैनिक संचालन, शैक्षणिक सामग्री की खरीद, भवनों के रखरखाव एवं मरम्मत के साथ ही छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों के पोषण और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। अब लंबित अनुदान प्राप्त होने से इन संस्थाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी। साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं, आवश्यक सामग्री और पुनर्वास संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

5 नवंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी करेंगे मुंगरा बादशाहपुर बाईपास का शिलान्यास

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने क्षेत्रवासियों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र की वर्षों पुरानी बाईपास निर्माण की मांग अब पूरी होने जा रही है। आगामी 5 नवंबर 2026 को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुंगरा बादशाहपुर बाईपास का शिलान्यास करेंगे।



भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बताया कि शिलान्यास समारोह सुबह 10 बजे सार्वजनिक महाविद्यालय, मुंगरा बादशाहपुर के प्रांगण में आयोजित होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने बताया कि बाईपास निर्माण से कस्बे को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। इससे क्षेत्र के व्यापार एवं विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बाईपास क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग रही है। इसके निर्माण से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र की माताओं, बहनों, व्यापारियों, युवाओं एवं सम्मानित नागरिकों से 5 नवंबर को सार्वजनिक महाविद्यालय परिसर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिलान्यास समारोह में शामिल होने की अपील की।

सरस्वती नाट्य कला में विभीषण शरणागति और अंगद-रावण संवाद ने बांधा समां

कलाकारों के शानदार अभिनय पर देर रात तक गूंजती रहीं तालियां, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

महुली,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी ब्लॉक के फुलवार जुड़वानिया में आयोजित सरस्वती नाट्य कला



के दूसरे दिन रामायण के प्रसंगों का शानदार मंचन किया गया। विभीषण शरणागति और अंगद-रावण संवाद के सजीव मंचन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और संवाद पर दर्शक देर रात तक तालियां बजाते रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सरजू प्रसाद गुप्ता, पूर्व ग्राम प्रधान रमेश यादव एवं समाजसेवी बिहारी चेरो उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

अंगद की भूमिका अनुज कुमार कन्नौजिया, रावण की भूमिका निर्देशक मुनेश्वर प्रसाद कन्नौजिया, हनुमान की भूमिका अनुज कुमार गुप्ता तथा विभीषण की भूमिका रंजीत कुमार गुप्ता ने निभाई। वहीं व्यास के रूप में अनूप कुमार कन्नौजिया ने अपनी भूमिका निभाई। कलाकारों ने अपने अभिनय से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया।

मंचन के माध्यम से धर्म, सत्य, मर्यादा और अहंकार के पतन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे। शानदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मेगा शिविर में क्षय रोगियों को बांटी गई पौष्टिक आहार पोटली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में जिला



विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर द्वारा एक भव्य विधिक सहायता एवं सेवा शिविर (मेगा शिविर) का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश श्री सुशील कुमार शशि की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह एवं अजय कुमार अंबष्ट भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में लोगों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉ. गंगाराम गौतम के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉल्स पर जनपद न्यायाधीश के हाथों अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट संस्था की ओर से क्षय (टीबी) रोगियों को पौष्टिक आहार पोटली का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुशील अग्रहरी के साथ अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष एडवोकेट उर्वशी सिंह के नेतृत्व में संस्था के सदस्य शिवम सिंह, राकेश कुमार सिंह और डॉ. रेखा सिंह ने इस पुनीत कार्य में अपना सक्रिय योगदान दिया। शिविर में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ज़िम्मेदारानों की अनदेखी गंदगी का आलम

सीवरेज लाइनें जाम, सड़क में बह रहा गंदा पानी, समाधान नहीं होने से लोग परेशान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब कस्बे मे पंचायत द्वारा कचनार गांव के रथयात्रा मार्ग पर एक दशक पहले बिछाई गई सीवरेज लाइन कस्बे वासियों के लिए आफत बन गई। पंचायत द्वारा सीवरेज लाइन की सफाई नही करने से कई मोहल्ले में सीवरेज लाइन का बदबूदार गन्दा पानी मुख्य मार्गों पर बहने से आमजन का निकलना दूभर हो गया। मोहल्लेवासियों ने बार बार



ज़िम्मेदारो को शिकायत और आंदोलन के बाद भी कोई समाधान नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने आन्दोलन की चेतावनी दी। स्थानीय निवासी राजकुमार गुप्ता ने कहा कि 72 घंटे के अंदर समस्या का समाधान नहीं होगा तो व्यापक आंदोलन होगा।

यूपी पुलिस एथलेटिक्स चैंपियनशिप में श्रद्धा पांडेय ने जीता रजत पदक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सरपतहां थाना क्षेत्र के ग्राम भटौली निवासी बृजेश कुमार पांडेय की सुपुत्री श्रद्धा पांडेय ने उत्तर प्रदेश पुलिस की वार्षिक खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित यूपी पुलिस एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल)



हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित गांव, क्षेत्र और जनपद में हर्ष का माहौल है। श्रद्धा पांडेय ने अपनी मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने बड़े भाइयों शनि पांडेय एवं शुभम पांडेय को दिया है। उनका कहना है कि भाइयों का निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग, प्रोत्साहन और विश्वास उनकी सफलता की राह में हमेशा प्रेरणास्रोत रहा है। श्रद्धा की इस उपलब्धि पर परिजनों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी सफलता से क्षेत्र के युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

मशहूर लोकगीत गायिका रागिनी चंद्रा के लोकगीतों ने मचाई धूम, मेले में झूमे उठे दर्शक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज की मशहूर लोकगीत गायिका स्वर कोकिला रागिनी चंद्रा की उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र सांस्कृतिक



मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित दिवाली शिल्प मेले के मंच पर शानदार लोकगीतों की सुंदर प्रस्तुति हुई । जिनमें सुप्रसिद्ध लोकगीतों निमिया के डाल मैया डालेली झुलनवा और देश गीत गंगा जमुना के निर्मल धार बाटे सोने के चिरैया भारत देशवा हमार बा, मिजार्पुर की कजरी हमरे मिजार्पुर में अल मस्ति क चाल बा लोकगीतों के प्रस्तुति से समा बांध दिया और श्रोताओं को झूमने और ताली बजाने पर विवश कर दिया। संस्कार भारती प्रयागराज की प्रसिद्ध लोकगीत गायिका रागिनी चंद्रा ने संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के आमंत्रण पर मेले में शानदार प्रस्तुति दी और सैकड़ो दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। संस्कार भारती के पदाधिकारियों में प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, संरक्षक कवि योगेंद्र मिश्रा विश्वबंधु , कोषाध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव शम्भु, सचिव विभव मिश्रा, गायिका प्रियंका चौहान इत्यादि ने रागिनी चंद्रा के इस शानदार प्रस्तुति की सराहना करते हुए बधाई दी है।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करने का दिया निर्देश

समय सीमा में संतुष्टिपरक हो फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण- सत्येन्द्र कुमार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट जनता दर्शन में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता पूर्वक ध्यान देते हुए समयबद्ध व



पारदर्शी ढ़ग से निस्तारण सुनिश्चित कराये, ताकि फरियादी को बार-बार जनपद व तहसील मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि निस्तारण संतुष्टिपरक हो, गलत रिपोर्ट लगाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी ने जन मानस की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक देखते हुए शिकायतों को गुणवत्तापरक समय-सीमा के अन्दर निस्तारण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभागों में 10 से 12 बजे तक उपस्थित रहकर फरियादियों की शिकायतों को सुने और गम्भीर समस्याओं को मौके पर जाकर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों को निस्तारण करने में लापरवाही न बरते, अन्यथा कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया की आईजीआरएस पोर्टल को प्रतिदिन देखे और लम्बित शिकायतो को अधिकारी स्वयं बात कर तत्काल निस्तारण करें।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से रिटायर्ड पंचायत सचिव की मौत, चालक पुलिस हिरासत में

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के लखऊवा हाईवे पर सोमवार दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार



सेवानिवृत्त पंचायत सचिव की जान चली गई। पीछे से आ रही अनियंत्रित वैगनआर कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान 66 वर्षीय राय साहब सिंह पुत्र स्वर्गीय दान बहादुर सिंह, निवासी हरिदास पट्टी थाना बदलापुर के रूप में हुई है। वह पंचायत विभाग में सचिव पद से सेवानिवृत्त थे। सोमवार को किसी जरूरी काम से जौनपुर आए थे। दोपहर करीब एक बजे बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान लखऊवा हाईवे पर पीछे से आई वैगनआर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल राय साहब सिंह को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। उधर, पुलिस ने दुर्घटना में शामिल वैगनआर कार और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

पिपरी में जिला स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजन, 116 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, विजेताओं को मिले मेडल और प्रशस्ति पत्र

पिपरी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी में रविवार को समाजसेवी अजीत गुप्ता के नेतृत्व में जिला स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए 116 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी ताकत और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि जनसंपर्क अधिकारी यशवंत सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बजरंगबली की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बिदेश कुमार मालवीय, मोनू पंडित, राम प्रवेश यादव, रामजी यादव, कौशल सोनी, मंगलेश, सेजल गुप्ता, अरविंद कुमार एवं निक्की कुमार सहित राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों डॉ. पीके सिंह, संतोष गुप्ता, बिपिन सिंह, संदीप गुप्ता,



बबीता, एसी शर्मा, सीमा गुप्ता एवं सहान अली को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका बिदेश कुमार मालवीय, संतोष गुप्ता एवं कौशल सोनी ने निभाई। विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं सभी 116 प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

आयोजक अजीत गुप्ता ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं में फिटनेस एवं खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजन कराने की बात कही। कार्यक्रम में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कुलपति बनने के बाद जौनपुर आगमन पर प्रोफेसर आरएन त्रिपाठी का सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पंडित चंद्रेश मिश्र पीठ के संरक्षक प्रोफेसर आरएन त्रिपाठी का जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रथम जौनपुर आगमन पर पीठ के सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।पीठ के अध्यक्ष पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी ने कुलपति के रूप में स्वागत करते हुए शुभकामना दी और विश्वविद्यालय के उत्कर्ष की कामना की।पंडित जी ने कहा कि प्रोफेसर त्रिपाठी विद्वान, सरल एवं सहज व्यक्ति हैं।कुलपति पद उन्हें पाकर गौरवांवित हो गया।

पीठ के प्रमुख सदस्य एडवोकेट गौरीशंकर मिश्र,ब्राह्मण चेतना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी,एडवोकेट अश्वनी दुबे,पूर्व प्रवक्ता विनोद सिंह, डॉक्टर रामजी तिवारी, प्रबंधक लिटिल फॉक्स स्कूल रवि



श्रीवास्तव, पत्रकार देवी सिंह सोनू, कॉंग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्र भुवन सिंह,पूर्व डाक अधीक्षक प्रभाकर त्रिपाठी,कलेक्ट्रेट के पूर्व कर्मचारी अशोक मिश्र, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्रवक्ता डॉक्टर राजन त्रिपाठी आदि ने स्वागत कर शुभकामना दी। द्विवेदी ने दूरभाष पर बधाई दी। इस अवसर पर प्रोफेसर आरएन त्रिपाठी ने कहा कि यह उनका 16 वाँ पद है।पद आने और जाने वाले होते हैं इसलिए पद में लिप्त न होकर ईश्वर द्वारा प्रदत्त पद के दायित्वों का निर्वहन सत्यनिष्ठा से करनी चाहिए।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के सम्मेलन में अलंकार अग्निहोत्री का जोरदार स्वागत

बेरोजगारी, आरक्षण और ब्राह्मण समाज के मुद्दों पर वक्ताओं ने सरकार को घेरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर स्थित विद्यार्थी रिसोर्ट में राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें पार्टी के संस्थापक अलंकार अग्निहोत्री का कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। जिला अध्यक्ष अशोक तिवारी और किसान मोर्चा अध्यक्ष संजय उपाध्याय ने बड़े माले से स्वागत किया।

इस दौरान अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार दुबे एवं उनकी टीम ने भगवान परशुराम का चित्र और फरसा भेंट किया। प्रदेश अध्यक्ष विश्व दीप अवस्थी सहित अन्य पदाधिकारियों का भी अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

सम्मेलन में वक्ताओं ने बेरोजगारी, आरक्षण, जातिगत भेदभाव और ब्राह्मण समाज के हितों का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने सामाजिक समरसता और संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। वहीं डॉ. अतुल कुमार दुबे ने जौनपुर में मंगल पांडेय की प्रतिमा स्थापित कराने की मांग उठाई।

संस्थापक अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि उन्होंने समाज के हितों के लिए अपनी नौकरी तक छोड़ दी। उन्होंने ब्राह्मण समाज के अधिकारों,



बेरोजगारी और सामाजिक भेदभाव के मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

इस मौके पर पारसनाथ उपाध्याय, रविंद्र मिश्रा, बजरंग प्रसाद, आनंद दुबे, संतोष तिवारी, डॉ. सुरेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

मासिक धर्म की समस्याओं पर छात्राओं को किया जागरूक

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.पूजा यादव ने दिए स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नखतपुर स्थित पहलवान गुरुदीन ग्रुप ऑफ कॉलेज में सोमवार को छात्राओं के स्वास्थ्य और मासिक धर्म (पीरियड्स) से जुड़ी समस्याओं को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएमओएस (PMOS) अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत छात्राओं को महावारी के दौरान होने वाली शारीरिक परेशानियों, स्वच्छता, पोषण और इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेज बहादुर सेवा अस्पताल, मछलीशहर की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा यादव (MBBS, MS) उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मासिक धर्म महिलाओं के शरीर में होने वाली एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है। इस दौरान कुछ शारीरिक बदलाव और परेशानियां होना सामान्य है, लेकिन अत्यधिक दर्द, अनियमित मासिक धर्म, असामान्य रक्तस्राव अथवा संक्रमण जैसी समस्याओं को नजरअंदाज करना

उचित नहीं है। ऐसी स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

डॉ. पूजा यादव ने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, सेनेटरी पैड का सही तरीके से इस्तेमाल करने, समय-समय पर पैड बदलने तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महावारी को लेकर समाज में फैली झिझक और भ्रांतियों को दूर करना बेहद जरूरी है। छात्राओं को इस विषय पर खुलकर बात करनी चाहिए, क्योंकि सही जानकारी और समय पर चिकित्सकीय सलाह से कई गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में तेज बहादुर सेवा अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज यादव (MBBS, MD) ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने किशोरावस्था में बालिकाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास, हार्मोनल बदलाव और इस उम्र में स्वास्थ्य के प्रति बरती जाने वाली सावधानियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की छात्राओं ने स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और जिज्ञासाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकों के सामने रखा। डॉ. पूजा यादव ने छात्राओं के सवालों का जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराना और मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक झिझक को समाप्त कर उनमें जागरूकता बढ़ाना रहा।

रामचरितमानस की चौपाइयों, दोहों और सोरठों से गूँजा विद्यालय परिसर

अभिनव, प्रयागराज द्वारा आयोजित रामचरितमानस अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता में अवधेशानन्द टोली रही प्रथम

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। गोस्वामी तुलसीदास की इन पंक्तियों की भावधारा आज ज्वाला देवी सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज, गंगापुरी, प्रयागराज के विद्यालय परिसर में साकार होती दिखाई दी। रामचरितमानस के दोहों, चौपाइयों, सोरठों एवं छन्दों के लयबद्ध और सस्वर पाठ से विद्यार्थियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने मानो गंगा की लहरों में नया आवेग भर दिया।

अवसर था नगर के प्राचीन सांस्कृतिक संगठन ह्यअभिनव, प्रयागराजह्न द्वारा आयोजित अनूठी रामचरितमानस अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता का। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को छह टोलियों—कौशल्यनन्दन, रामभद्र, अवधेशानन्द, रघुनन्दन, दशरथनन्दन एवं पुरुषोत्तम—में विभाजित किया गया था। सभी टोलियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रामचरितमानस के दोहों, चौपाइयों और सोरठों का प्रभावशाली गायन एवं पाठ प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की स्मरणशक्ति, लयबद्धता और रामचरितमानस के प्रति अनुराग ने उपस्थित दर्शकों को अभिभूत कर दिया।

प्रतियोगिता में अवधेशानन्द टोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दशरथनन्दन टोली द्वितीय तथा रामभद्र टोली तृतीय स्थान पर रही।

विद्यालय के प्राचार्य श्री बांके बिहारी जी ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री नरेन्द्र मोहन जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रयाग सेवा संगम के सचिव श्री राजेश श्रीवास्तव तथा विख्यात अन्तरराष्ट्रीय कवि एवं कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा शामिल रहे और कहां कि रामचरितमानस जैसी कालजयी साहित्यिक कृतियों को प्रतियोगिताओं और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुँचाकर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को और अधिक जीवंत बनाया जा सकता है।

उद्योग बंधु की बैठक में कौशल शर्मा ने उठाए तीन मुद्दे

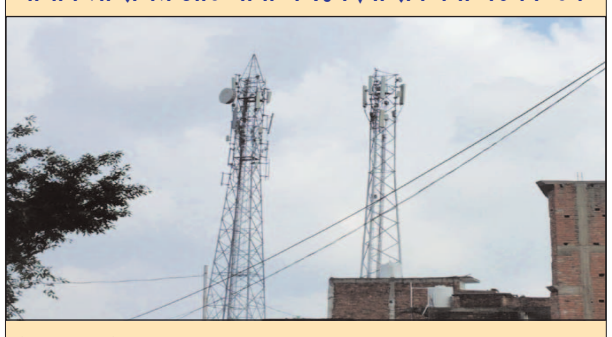
सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित उद्योग बंधु की बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा ने तीन प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए ज्ञापन सौंपा।उन्होंने वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर टोल प्लाजा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सड़क मरम्मत, टोल वसूली में पारदर्शिता और यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। कहा कि सड़क पर गड्ढों और रटिंग के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं इसके अलावा बिचपई, बढ़ौली, पुसौली और उरमौरा में जल जीवन मिशन के तहत नियमित जलापूर्ति नहीं होने तथा कई घरों में कनेक्शन न पहुंचने का मामला उठाया। उन्होंने स्थलीय जांच कराकर पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की।वहीं फ्लाईओवर के नीचे से मिजार्पुर डिपो की बसों के संचालन पर रोक लगाकर निर्धारित रोडवेज परिसर से बसें चलवाने की मांग की। कौशल शर्मा ने कहा कि बैठक में उठाए गए मुद्दों का समयबद्ध समाधान होना चाहिए। इस दौरान नागेंद्र मोदनवाल, अमित अग्रवाल, प्रतीक केसरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शाहगंज में 188 साल से लग रहा चूड़ी मेला:



शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमवार को चूड़ी मेले में महिलाओं की भीड़ जुटी। करवा चौथ के बाद लगने वाले इस मेले में चूड़ियों, कंगनों और श्रृंगार के सामान की दुकानों पर खरीदारी हुई। नगर के चूड़ी मोहल्ले में लगने वाला यह मेला सीता श्रृंगार मेला के नाम से भी जाना जाता है। इसकी परंपरा माता सीता से जुड़ी लोकमान्यता पर आधारित है। मान्यता है कि लंका विजय के बाद अयोध्या लौटते समय माता सीता ने यहां श्रृंगार का सामान खरीदा था। इसी मान्यता के चलते करीब 188 साल से यह मेला लग रहा है। मेले में महिलाओं और बालिकाओं को ही प्रवेश दिया जाता है। पुरुषों का प्रवेश वर्जित रहता है। ससुराल से मायके आई बेटियां अपनी मां, बहनों और सहेलियों के साथ यहां खरीदारी करने पहुंचती हैं। चूड़ियों और कंगनों के अलावा बैग, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सौंदर्य प्रसाधन, चप्पल और खिलौनों की दुकानें भी लगी हैं। वाराणसी और फिरोजाबाद समेत दूरदराज के इलाकों से व्यापारी दुकानें लेकर पहुंचे हैं। मेले में हिंदू और मुस्लिम महिलाएं खरीदारी के लिए आती हैं। अलग-अलग समुदायों के दुकानदार भी पीढ़ियों से इस आयोजन का हिस्सा बनते रहे हैं। आयोजन की परंपरा के अनुसार, मेले के अंतिम दिन पुरुषों को भी प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही करीब 188 साल से चली आ रही यह परंपरा समाप्त होगी।

मानीकलां समेत आठ गांवों में 10 दिनों से जियो नेटवर्क ठप



आफताब आलम

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र के मानीकलां और आसपास के करीब आठ गांवों में पिछले 10 दिनों से जियो मोबाइल नेटवर्क बाधित है। इससे उपभोक्ताओं को कॉलिंग और इंटरनेट सेवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। नेटवर्क ठप होने से ग्रामीणों के रोजमर्रा के कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार नेटवर्क की खराबी के चलते मोबाइल से बात करना मुश्किल हो गया है। वहीं इंटरनेट सेवा बंद होने से ऑनलाइन भुगतान, जरूरी दस्तावेजों से जुड़े कार्य और डिजिटल सेवाएं भी प्रभावित हैं। इसका सबसे अधिक असर दुकानदारों और ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भर लोगों पर पड़ रहा है। यह समस्या मानीकलां के अलावा मानीखुर्द, ग्यासपुर नोनारी, सोंगर, लखमापुर, सलारपुर, मवाई और भुडकुडहां गांवों में भी बनी हुई है। करीब 10 दिनों से समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों में नाराजगी है। मीलू साहू, मोहम्मद अहसन, अहमद, अफजल राजन मोदनवाल और सचिन कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने टेलीकॉम कंपनी के अधिकारियों से जल्द नेटवर्क व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। इस संबंध में एरिया मैनेजर मनोज प्रजापति से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। ग्रामीणों ने भी कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो सकी। अब उपभोक्ताओं को नेटवर्क सेवा बहाल होने का इंतजार है।

ब्रजमंडल मुंबई के मंच से बही काव्य की धारा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री ब्रजमंडल मुंबई के तत्वावधान में गिरगांव चौपाटी पर 35वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ जिसमें हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन में योगेंद्र शर्मा (भीलवाड़ा), डाक्टर कीर्ति काले (नई दिल्ली), कुंवर जावेद (कोटा राजस्थान), हेमंत पांडेय (लाफ्टर चैंपियन फेम,कानपुर) ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इससे पूर्व उद्योगपति महेश वंशीधर अग्रवाल सहित अनेक अतिथियों एवं कमेटी के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित करके कवि सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मान समारोह का संचालन कवि सम्मेलन के संयोजक कानबिहारी अग्रवाल ने किया। इससे पहले पिछले दस दिनों तक इसी मंच पर भव्य रासलीला का मंचन किया गया। संस्था के अध्यक्ष अनिल आर. अग्रवाल एवं मंत्री ओमप्रकाश बी. अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं कोषाध्यक्ष प्रदीप आर. लाड़ीवाल, विराट कवि सम्मेलन संयोजक एवं ट्रस्टी कानबिहारी अग्रवाल तथा श्री कृष्ण रासलीला संयोजक विवेक जी अग्रवाल के कुशल समन्वय से यह साहित्यिक समारोह अत्यंत गरिमामय एवं सफल रहा।

इस अवसर पर समारोह अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, मुख्य अतिथि अनिल एम. गुप्ता,अमरीशचंद अग्रवाल, राजीव एस. अग्रवाल व लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ) की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। गिरगांव चौपाटी के विशाल पंडाल में उपस्थित हजारों कविता प्रेमियों ने हास्य, वीर रस, गीत, गजल एवं श्रृंगार रस की मनमोहक प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। कवियों की रचनाओं पर श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट एवं उत्साह ने पूरे वातावरण को साहित्यिक उल्लास से सराबोर कर दिया। इस भव्य समारोह में श्यामलाल अग्रवाल, प्रदीप जैन, श्रीमती रानी पांडेय शशिधर पांडे चमनलाल अग्रवाल, विशाल अग्रवाल,पवन अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं घनश्याम अग्रवाल ,संस्था के ट्रस्टी एवं पदाधिकारीगण सुरेशचंद अग्रवाल, बृजकिशोर अग्रवाल, रविशंकर अग्रवाल, गोविंद डी. अग्रवाल एवं अनिल पी. अग्रवाल की उपस्थिति रही। राजेश मित्तल, गौरव शर्मा, संदीप पी. अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अशोक बी. अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, धर्मेश गर्ग, पवन अग्रवाल एवं उमेश मित्तल सहित अनेक सदस्यों ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। आयोजन समिति के उदेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, राजेश बी. अग्रवाल, मुकुंद शर्मा, देवेंद्र अग्रवाल, विकास डी. अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, कौशल पिपरिया एवं अन्य गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति एवं सहयोग उल्लेखनीय रहा।

छत्रपति संभाजीनगर को मिली 35 नई ओलेक्ट्रा इलेक्ट्रिक बसें



मुंबई। छत्रपति संभाजीनगर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और आधुनिक बनाने के लिए 35 नई वातानुकूलित ओलेक्ट्रा इलेक्ट्रिक बसें शुरू की गई हैं। इन बसों का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। नई बसों के शुरू होने से शहरवासियों को सुरक्षित, आरामदायक और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा मिलेगी। ओलेक्ट्रा की इन ई-बसों में एयर कंडीशनिंग, सीसीटीवी कैमरे, डिजिटल डेस्टिनेशन बोर्ड, यात्री सूचना प्रणाली, व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम और यूएसबी चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इससे दैनिक यात्रियों का सफर अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनेगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बसों में एबीएस ब्रेकिंग सिस्टम, एयर सस्पेंशन, रिजेनरेटिव ब्रेकिंग और डिस्क ब्रेक जैसी उन्नत तकनीकें दी गई हैं, जिससे सफर अधिक सुगम और आरामदायक होगा। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से वायु और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी। शून्य उत्सर्जन तकनीक पर आधारित ये बसें स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता भी कम करेंगी। छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक की यह पहल शहर में टिकाऊ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नवी मुंबई के कॉसप्ले प्रेमियों के लिए कॉसप्ले 101 मास्टरक्लास का आयोजन



नवी मुंबई। नवी मुंबई में पहली बार होने वाले कॉमिक कॉन की तैयारी के तहत शहर के कॉसप्ले प्रेमी एक साथ आए। कॉमिक कॉन इंडिया की ओर से एपसिटी में विशेष कॉसप्ले 101 मास्टरक्लास का आयोजन किया गया। इस मास्टरक्लास में शामिल लोगों को अलग-अलग किरदारों की वेशभूषा और उनका रूप तैयार करने की कला सिखाई गई। इस कार्यक्रम में शहर के कॉसप्ले प्रेमियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कॉसप्ले तैयार करने के अलग-अलग तरीके सीखे और अपने अनुभव व विचार एक-दूसरे के साथ साझा किए। इस कार्यक्रम से उन्हें 28 और 29 नवंबर 2026 को सिडको एग्जिबिशन सेंटर में होने वाले नवी मुंबई कॉमिक कॉन की तैयारियों में शामिल होने का भी अवसर मिला। इस मास्टरक्लास में 2026 की इंडियन चैंपियनशिप ऑफ कॉसप्ले (क्ढउ) के ग्रैंड चैंपियन अरिंदम पॉल, 10 साल से अधिक अनुभव रखने वाली कॉसप्ले आर्टिस्ट शिमा अंगोम और पुरस्कार प्राप्त कॉसप्ले क्रिएटर संस्कार काले ने मार्गदर्शन किया। शिमा अंगोम को कॉसप्ले के क्षेत्र में कई पुरस्कार मिल चुके हैं। साल 2022 में जापान में आयोजित पॉप कल्चर हिरोशिमा प्रतियोगिता जीतने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली। वहीं, संस्कार काले फोम से कवच और दूसरी चीजें बनाने, मांसपेशियों जैसी दिखने वाली बॉडीसूट तैयार करने, तलवारें, हाथों में इस्तेमाल होने वाले अन्य हथियार और खास प्रॉप्स बनाने में माहिर हैं। इन तीनों विशेषज्ञों ने किरदार तैयार करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में अपने अनुभव साझा किए। इसमें कॉस्ट्यूम चुनना, जरूरी सामान जुटाना, फोम से चीजें बनाना, विग को सही स्टाइल देना, वीएफएक्स मेकअप करना, अलग-अलग प्रॉप्स तैयार करना और किरदार के अनुसार अभिनय व प्रस्तुति देने के तरीके शामिल थे। इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों को घोस्ट ऑफ त्सुशिमा गेम के जिन साकाई किरदार से जुड़ी अलग-अलग चीजें खुद बनाने का अनुभव मिला। इसमें उसका मास्क, सिर पर बांधने वाला पट्टा और खंजर शामिल था। इस प्रात्यक्षिक से प्रतिभागियों को कॉसप्ले तैयार करने की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिली। साथ ही, खर्च का बजट तय करने, सुरक्षा का ध्यान रखने और कॉमिक कॉन जैसे कार्यक्रमों में पालन किए जाने वाले नियमों की जानकारी भी दी गई।

वसई-विरार के औद्योगिक संपत्ति कर और प्रशासनिक समस्याओं पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित की मैराथन बैठक



वसई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार क्षेत्र में औद्योगिक संपत्ति कर, महानगरपालिका में रिक्त पदों, राशन वितरण में अनियमितताओं और पंचायत समिति कार्यालय के पुनर्निर्माण जैसे मुद्दों को लेकर विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित ने मंत्रालय में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

वसई-विरार के लगभग 20 से 22 हजार छोटे-बड़े उद्यमियों और कामगारों की समस्याओं को लेकर विभिन्न औद्योगिक संगठनों ने 5 अक्टूबर 2026 को विधायक को ज्ञापन सौंपा था। इसमें औद्योगिक क्षेत्रों में अटारी और शेड पर पिछली तारीख से अतिरिक्त संपत्ति कर लगाने का मुद्दा प्रमुख था। विधायक ने शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. के. एच. गोविंदराज से मुलाकात कर वित्तीय वर्ष 2023-24 से संशोधित संपत्ति कर दरें लागू करने संबंधी प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देने की मांग की। इस पर अधिकारियों ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बैठक में विधायक ने वसई-विरार महानगरपालिका में वर्षों से खाली पड़े वरिष्ठ अधिकारियों के पदों को भरने तथा सीधी भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की। साथ ही, प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों को कथित तौर पर अधूरी या भ्रामक जानकारी दिए जाने के मामलों में जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संबंधित मामलों में रिपोर्ट मंगाकर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

इसके अलावा, राशन वितरण व्यवस्था में अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार की जांच कराने तथा जनवरी 2027 से वसई में हर महीने विशेष शिविर लगाकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई। विधायक ने पंचायत समिति कार्यालय के पुनर्निर्माण में हो रही देरी का मुद्दा भी ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के सामने रखा। अधिकारियों ने संबंधित फाइल की जांच कर जल्द प्रस्ताव सरकार को सौंपने का आश्वासन दिया। इन बैठकों का उद्देश्य क्षेत्र के उद्यमियों और नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार लाना है।

श्री साईं बाबा पुण्यतिथि उत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न



मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्ली कोलीवाड़ा में श्री साईं बाबा पुण्यतिथि उत्सव 29 से 31 अक्टूबर 2026 तक श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस तीन दिवसीय उत्सव का आयोजन श्री सिद्धि सागर संस्था एवं श्री साईं सेवकरी न्यास (वर्ली) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। उत्सव के अंतिम दिन शनिवार को साईं भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों, महिलाओं और बच्चों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक सुनील शिंदे, विधायक महेश सावंत, नगरसेविका हेमागी ताई वर्लीकर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बाल गोविंदजी तिवारी एवं हरिनाथजी तिवारी को चंद्रकांत ए. खानविलकर द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र ए. खानविलकर, न्यास के अध्यक्ष विनायक पाटिल तथा श्रेयल तोडंकर, बाबू कांजीपानी, सोयब शेख, राजा गांवड, राहुल खानविलकर, कौस्तुभ बिरवाडकर, राजेश ठाकुर, श्रेयस तोडंकर, नितिन सागवेकर एवं गंगाराम खाडेकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं, महिला मंडल की साक्षी पुसलकर, रिया पटडे, धनश्री पेजेस, स्मिता चिरमुले, मीना पाटिल और प्रज्ञा गांवड ने भी आयोजन में सक्रिय सहयोग दिया। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। तीन दिवसीय उत्सव के दौरान साईं बाबा के प्रति श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। आयोजन ने स्थानीय लोगों को एकजुट करते हुए सामाजिक सद्भाव एवं धार्मिक आस्था का संदेश दिया।

इंदौर-बैतूल हाईवे पर शराब तस्करों ने टीआई को कुचला, मौत



-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के देवास में अवैध शराब भरे वाहन (ट्रक) ने खातेगांव टीआई दिलीप पुरी को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल पुरी को अस्पताल ले जाया गया। यहां करीब दो घंटे तक उढफ और इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। टीआई पुरी रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे अवैध शराब की तस्करी की सूचना पर कार्रवाई करने टीम के साथ इंदौर-बैतूल हाईवे पहुंचे थे। नेमावर पुलिस भी इसी ट्रक का पीछा कर रही थी। पुलिस टीम को ट्रक हाईवे पर डिवाइडर के किनारे खड़ा मिला।

थाना प्रभारी पुरी ने ड्राइवर से बाहर आने को कहा। इसी दौरान वह ट्रक को डिवाइडर पर चढ़ाकर आगे बढ़ाने लगा। इस दौरान पिछला पहिए उन पर चढ़ गया और पुरी गंभीर रूप से घायल हो गए।डॉ. शैलेन्द्र ने बताया, श्टीआई की अस्पताल आने से पहले ही मौत हो चुकी थी। बहुत ज्यादा ब्लीडिंग हुई थी। शरीर के कई अंग बुरी तरह डैमेज थे। शरीर पर कई फ्रैक्चर थे। फिर भी हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। पोस्टमॉर्टम के बाद टीआई दिलीप पुरी के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया। इसके बाद पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी और परिजन पार्थिव शरीर लेकर उनके पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए।ड्राइवर ट्रक को डिवाइडर पर चढ़ाकर दूसरी ओर ले गया और संदलपुर में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को संदलपुर थाने में खड़ा कर दिया है। ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

शिव शक्ति गोल्ड टेस्टिंग सेंटर का भव्य उद्घाटन संपन्न



वसई (उत्तरशक्ति)। वसई पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास स्थित शिव शक्ति गोल्ड टेस्टिंग सेंटर का भव्य उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन बालू पवार एवं सचिन पवार द्वारा किया गया। समारोह में सराफा व्यापार जगत से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर MRSSF के उपाध्यक्ष भंवर के. मेहता, राजस्थानी व्यापारी प्रतिष्ठान के अध्यक्ष मयूर बी. सोनी, नायगांव वेस्ट ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत जैन एवं सचिव रतनलाल जैन तथा वसई ईस्ट-वालीव ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद जैन सहित विभिन्न ज्वेलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने सेंटर के शुभारंभ पर आयोजकों को बधाई देते हुए इसके सफल संचालन, निरंतर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान सराफा व्यापारियों के बीच आपसी सहयोग, एकजुटता और व्यावसायिक संबंधों को मजबूत बनाने की भावना भी देखने को मिली।

आयोजक बालू पवार एवं सचिन पवार ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों, एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आधी रात बकरी चोरी कर भागना पड़ा भारी, ग्रामीणों ने घेरकर तीन युवकों को पकड़ा



केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र में बीती रात बकरी चोरी कर ऑटो से भाग रहे तीन युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। ग्रामीणों के पीछा करने पर भाग रहे युवकों का ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तीनों को मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद इलाके में बकरी चोरी की आशंका को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब एक बजे तीन युवक ऑटो में बकरी लेकर भाग रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों को उनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। बकरी चोरी कर भागने की आशंका पर ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए उनका पीछा शुरू कर दिया। अचानक ग्रामीणों को पीछे आता देख ऑटो सवार युवकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ दूर जाने के बाद ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद पीछा कर रहे ग्रामीणों ने तीनों युवकों को घेरकर पकड़ लिया। ग्रामीणों ने तत्काल केराकत कोतवाली पुलिस को घटना की सूचना दी। पकड़े गए युवकों की पहचान सतेंद्र सरोज पुत्र मोती सरोज निवासी अकबरपुर, कृष्णा सोनकर पुत्र शुगुन निवासी कुसैला और मोहम्मद तौहीद पुत्र सलीम निवासी भौरा के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों युवकों को कोतवाली ले गई, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। आधी रात हुई इस घटना के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि रात के समय गांवों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और पशु चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की गश्त बढ़ाई जानी चाहिए।

विधि संस्थान की फ्रेशर पार्टी में शाक्य अभय वर्धन बने मिस्टर फ्रेशर, सृष्टि गुप्ता बनीं मिस फ्रेशर



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में सोमवार, 2 नवंबर को बीए एलएलबी और एलएलएम के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत में रंगारंग फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन बीए एलएलबी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की ओर से किया गया। इस दौरान वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि संस्थान के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सहित अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। फ्रेशर पार्टी के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में शाक्य अभय वर्धन को मिस्टर फ्रेशर और सृष्टि गुप्ता को मिस फ्रेशर चुना गया। वहीं, शिवम यादव ने मिस्टर इवनिंग और शौर्या उपाध्याय ने मिस इवनिंग का खिताब जीता। चित्रांश सिंह को मिस्टर ड्रेसअप तथा मनीषा सिंह को मिस ड्रेसअप चुना गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजक गतिविधियों से सजे इस आयोजन में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम ने वरिष्ठ और कनिष्ठ विद्यार्थियों के बीच आपसी संवाद एवं सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए यादगार शुरूआत का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर विधि संस्थान के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फोनपे के 24K डिजिटल गोल्ड कैशबैक ऑफर के साथ धनतेरस मनाएं

मुंबई। फोनपे ने धनतेरस के मौके पर 24K डिजिटल गोल्ड पर शानदार कैशबैक ऑफर की घोषणा की है। यूजर्स फोनपे से कम से कम 2000 रुपए का डिजिटल गोल्ड खरीदने पर फ़्लैट 2% कैशबैक (INR 2000 तक) पा सकते हैं। यह ऑफर 6 नवंबर, 2026 को सिर्फ.एक बार के ट्रांजैक्शन के लिए लागू है (हर यूजर के लिए एक बार वैलिड, SIP ट्रांजैक्शन पर लागू नहीं)। ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कम से कम 2000 रुपये का 24K डिजिटल गोल्ड खरीदना होगा। डिजिटल रूप से खरीदे गए सर्टिफाइड 24K गोल्ड पर कोई मेकिंग चार्ज नहीं लगता और इसे बैंक-ग्रेड के सुरक्षित लॉकरों में मुफ्त रखा जाता है। अपना जमा किया हुआ गोल्ड बेचने पर, पैसे 48 घंटों के भीतर उनके बैंक अकाउंट में जमा कर दिए जाते हैं। सबसे शुद्ध गोल्ड उपलब्ध कराने के लिए, फोनपे ने प्रमुख प्रोवाइडर MMTC-PAMP और सेफगोल्ड के साथ साझेदारी की है। ट्रांसपेरेंट प्राइसिंग के कमिटमेंट के साथ, यह प्लेटफॉर्म पूरे भारत में 2.9 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बन गया है, जिन्होंने यहाँ से उच्च शुद्धता वाला 24 कैरेट गोल्ड खरीदा है। ऑफर 6 नवंबर 2026, सुबह 00:00 बजे से 6 नवंबर 2026, रात 11:59 बजे तक सिर्फ.एक बार के ट्रांजैक्शन पर वैलिड है। ऑर्डर की न्यूनतम वैल्यू 2000 रुपये है।

डॉ राधेश्याम तिवारी को मिला पं.रामजस उपाध्याय विशिष्ट समाजसेवी सम्मान



मुंबई। हिंदी भाषी संघ के तत्वावधान मुंबई के बोरीवली (प) में स्थित पं.रामजस उपाध्याय रामलीला रामलीला मैदान में 1 नवंबर 2026 को हिंदी भाषी संघ के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय के मुख्य संयोजन में भव्य विराट कवि सम्मलेन एवं सम्मान समारोह का मुख्य आयोजन संपन्न हुआ। इस साहित्यिक आयोजन में हिन्दी भाषा, साहित्य एवं काव्य की समृद्धि परंपरा को प्रसिद्ध कवियों ने अपनी ओजस्वी हास्य, व्यंग, देशभक्ति एवं भावपूर्ण गीतों, रचनाओं के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आमंत्रित कवियों में शशिकांत यादव (देवास म.प्र), मनोज गुर्जर (जयपुर), महेश दूबे (मुंबई), प्रीति पाण्डेय (प्रतापगढ़ ,उ.प्र.), पार्थ नवीन (प्रतापगढ़, राजस्थान)तथा श्रद्धा शौर्य (नागपुर) ने अपनी रचनायें प्रस्तुत की। इसी मंच पर वरिष्ठ समाजसेवी , भारतीय सदविचार मंच के संस्थापक, उत्तर भारतीय संघ, मुंबई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तिवारी जी को श्पं. रामजस उपाध्याय विशिष्ट समाजसेवी सम्मान- 2026 ₹ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में गोपाल शेट्टी (पूर्व सांसद), संजय उपाध्याय (विधायक , बोरीवली), कृपाशंकर सिंह (पूर्व गृह मंत्री महाराष्ट्र), मुंबई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट जे.पी.मिश्रा, संतोष आर.एन.सिंह सिंह (अध्यक्ष, उत्तर भारतीय संघ), डॉ.ओम प्रकाश दुबे (संचालक आ. मेडिकल कॉलेज नालासोपारा), वरिष्ठ पत्रकार,आर.टी.आई विशेषज्ञ अनिल गलगली, डॉ शिवश्याम तिवारी (अध्यक्ष ,भारतीय सद्विचार मंच), पत्रकार विनोद यादव , पूर्व नगरसेविका बीना दोषी, समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ.किशोर सिंह, (अध्यक्ष, आनंद दुबे (राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवसेना),उद्योगपति ब्रह्मदेव सिंह, श्री गौरीशंकर ग्राम सेवा मंडल के महामंत्री सुभाषचन्द्र उपाध्याय, राघवेन्द्र सेवा मंच के अध्यक्ष सुरेंद्रकुमार मिश्रा,पूर्व नगर सेवक विनोद मिश्रा, प्रवीण शाह,कांग्रेसी नेता अभय चौबे, उद्योगपति डॉ संदीप तिवारी आदि का समावेश रहा। संस्था के कोषाध्यक्ष सूर्यकांत उपाध्याय एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने आयोजन में समर्पित सहयोग दिया। महामंत्री डॉ.विनोद मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया।